मुंडेश्वरी कॉलेज फॉर टीचर एजुकेशन

सरारी-उशरी रोड, खगौल, पटना – 801105

दिनांक: 16 दिसंबर 2025

“Save Water, Save Life” विषय पर सेमिनार एवं नाटक कार्यक्रम

मुंडेश्वरी कॉलेज फॉर टीचर एजुकेशन में “Save Water, Save Life” विषय पर एक जागरूकता सेमिनार एवं नाटक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जल संरक्षण, जल की गुणवत्ता, जल संकट एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाना था।

सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रतिभागियों ने जल से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत विवेक मिश्रा द्वारा “Introduction: The Elixir of Life” विषय से हुई, जिसमें जल को जीवन का आधार बताया गया। इसके बाद डॉली शर्मा ने “Water Quality: Its Importance” पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छ जल के महत्व को समझाया।

खुशबू ने “The Current Crisis: Identifying the Problem” विषय के माध्यम से वर्तमान जल संकट की स्थिति को स्पष्ट किया। साक्षी तनुजा ने “Causes and Effects of Water Wastage and Pollution” पर चर्चा करते हुए जल अपव्यय एवं प्रदूषण के कारणों और दुष्परिणामों को बताया। सचिन प्रकाश ने “Water and Climate Change: A Growing Threat” विषय पर जलवायु परिवर्तन और जल संकट के बीच के संबंध को समझाया।

अंजू कुमारी ने “Relation between Plantation and Water” विषय पर पौधारोपण और जल संरक्षण के आपसी संबंध को रेखांकित किया। रूबी कुमारी ने “Impact Assessment: What Is at Stake?” के माध्यम से भविष्य में जल संकट के गंभीर प्रभावों पर चर्चा की। रिया पाठक ने “Water for Peace” विषय पर जल को शांति और सहयोग का माध्यम बताया।

सौरव कुमार सिंह ने “Benefits of Water Conservation” पर जल संरक्षण के लाभ बताए। खुशबू झा ने “Solutions: Strategies for Conservation” के अंतर्गत जल संरक्षण की विभिन्न रणनीतियों को प्रस्तुत किया। शिवाशिष ने “Practical Water Conservation: Methods and Technologies” विषय पर व्यावहारिक उपायों और तकनीकों की जानकारी दी।

प्रियंका कुमारी ने “Water Recycling” पर जल पुनर्चक्रण की आवश्यकता को समझाया। शिप्रा कुमारी ने “Water for a Sustainable Economy” विषय के माध्यम से जल और सतत आर्थिक विकास के संबंध को स्पष्ट किया। रीमा ने “The Role of Youth and Community” में युवाओं और समुदाय की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन विशाल कुमार ने “Conclusion and Call to Action” के माध्यम से किया।

सेमिनार के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। नाटक के माध्यम से जल अपव्यय, पर्यावरण संरक्षण एवं भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल बचाने का सशक्त संदेश दिया गया।

अंत में माननीय प्राचार्या महोदया ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और मार्गदर्शक शिक्षकों को इस सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

खुशी कुमारी
बी.एड., प्रथम वर्ष

MCTE PATNA